हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

11 रामलीला में लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध देख दर्शक...



12 अधिकारी नहीं मिले, तो कर्मचारियों ने किया कार्यकारी अभियंता...



खबर संक्षेप

बाबा भोला गिरी की बरसोदी 22 को

कनीना। गांव खेड़ी तलवाना में बाबा भोला गिरी महाराज की 37वीं बरसोदी 22 अक्टूबर को मनाई जाएगी। मंदिर कमेटी के प्रधान ओमपाल सिंह ने बताया कि इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ रागिनी कम्पटीशन व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हरियाणवी गायक कलाकार विकास पासोरिया, दीपक पासोरिया और कमल हरिपुरा धार्मिक प्रस्तुति देंगे। आश्रम के महंत श्याम गिरी महाराज ने बताया कि महाराज भोलागिरी की बरसी पर प्रतिवर्ष समारोह का आयोजन किया जाता है।

धर्मसेना अध्यक्ष 25 को करेंगे जनसंपर्क

कनीना। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र एवं धर्मसेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौधरी 25 अक्टूबर को अटेली विधानसभा क्षेत्र के कनीना सब डिवीजन स्थित विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से जनसंपर्क करेंगे। हनुमान यादव ने कहा कि इस एक दिवसीय जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत वे सुबह नौ बजे गांव स्याणा, 10 बजे नोताना, 11 बजे पोता, दोपहर 12 बजे बाघोत पहुंचेंगे।

देवी चिलाय माता का खोड़ में लगाया भंडारा

नारनौल। दिल्ली तंवर वंश की ऐतिहासिक आराध्य देवी चिलाय माता का गांव खोड़ में ठेकेदार कुलदीप सिंह के सौजन्य से भंडारा आयोजित किया गया। इसमें आसपास के गणमान्यों तथा ग्रामवासियों ने भाग लेकर चिलाय माता के दरबार में धोक लगाकर मन्नत मांगी और भंडारा में प्रसाद ग्रहण किया। प्रमुख समाजसेवी बसपा नेता अतरलाल ने इलाके के गणमान्यों के साथ चिलाय माता के दरबार में पूजा अर्चना कर समाज में सुख समृद्धि की प्रार्थना की। इस मौके पर चेयरमैन भागसिंह, अशोक खोड़, कैलाश सेठ, दानसिंह प्रजापत, राकेश यादव, पवन मौजूद थे।

दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में जल्द होगा सुधार

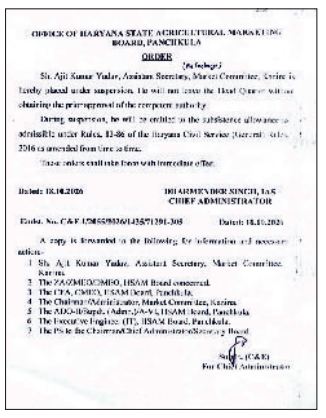
नारनौल। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से आरटीए मनोज कुमार ने अपने कार्यालय में विभिन्न प्रशासनिक एवं संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया। नारनौल एसडीएम गुरविंद्र सिंह के अलावा पुलिस विभाग के अधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधि, नगर परिषद के अधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों सहित कई विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद थे।

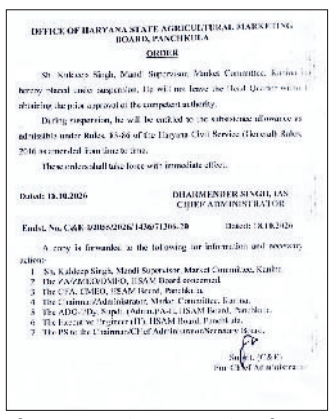
डीएमईओ की रिपोर्ट पर मार्केट कमेटी कनीना के सहायक सचिव व मंडी सुपरवाइजर निलंबित

सस्पेंड किए गए सचिव व मंडी सुपरवाइजर की बोर्ड मुख्यालय पंचकूला में रहेगी हाजिरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

- डीएमईओ जींद की निरीक्षण रिपोर्ट पर की गई कार्रवाई
- बोर्ड के मुख्य प्रशासक धर्मेंद्र सिंह ने 18 अक्टूबर को जारी किए आदेश
- दोनों निलंबित कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना अपना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे





कनीना। मार्केट कमेटी के सहायक सचिव व मंडी सुपरवाइजर के निलंबन आदेश की प्रति।

हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक धर्मेंद्र सिंह ने कनीना मार्केट कमेटी में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई डीएमईओ जींद की निरीक्षण रिपोर्ट पर की गई है। बोर्ड के मुख्य प्रशासक धर्मेंद्र सिंह ने 18 अक्टूबर को इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किए। जारी आदेशों के अनुसार कनीना मार्केट कमेटी के सहायक सचिव अजीत कुमार यादव तथा मंडी सुपरवाइजर कुलदीप सिंह के निलंबन आदेश तुरंत प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। निलंबन अवधि के दौरान दोनों कर्मचारियों की हाजिरी बोर्ड मुख्यालय पंचकूला में रहेगी। आदेश में निर्देश दिए गए हैं कि दोनों निलंबित कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना अपना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। सीए की ओर से की गई इस कार्रवाई के बाद मार्केट कमेटी के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। बता दें कि मुख्य प्रशासक के दिशानिर्देशन में कनीना अनाज मंडी में बीते शुक्रवार को तीन सदस्यीय टीम खरीद कार्यों की जांच करने पहुंची थी। इस टीम में जींद जिले के डीएमईओ श्रीभगवान मुदगिल, लेखाकार सुरेंद्र पूनिया तथा मंडी सुपरवाइजर जयभगवान शामिल थे। जहां उन्होंने बाजरे की आवक को लेकर रिकॉर्ड की गहराई से जांच की। जिसमें बाजरे की खरीद अधिक व स्टॉक कम पाए जाने तथा गेट पास को लेकर अनियमितताएं सामने आई थी।

मार्केट कमेटी के सचिव ने संभाला कार्यभार

अजीत सिंह के सस्पेंड होने के बाद मार्केट कमेटी में नए असिस्टेंट सेक्रेटरी जितेंद्र सिंह ने सोमवार को विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया। वे सोहना से स्थानांतरित होकर यहां पहुंचे हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने मंडी की व्यवस्था को सुचारू रखने और किसानों व व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया।

एसडीएम ने किया निरीक्षण

कर्मचारियों पर निलंबन की तलवार लटकने के बाद सोमवार को एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने अनाज मंडी का निरीक्षण कर खरीद व्यवस्था का जायजा लिया और खरीद कर रहे व्यापारियों तथा मार्केट कमेटी कर्मचारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

नया नहीं है निलंबन का सिलसिला

मार्केट कमेटी कनीना में सचिव का निलंबित होना कोई नई बात नहीं है। पिछले कुछ वर्षों का रिकॉर्ड देखे, तो यहां अधिकारियों पर गाज गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा है। फसल खरीद कार्यों में अनियमितताओं के आरोप के चलते वर्ष 2020 में तत्कालीन सचिव आदित्य सिंह को निलंबित किया गया था। वर्ष 2025 में सचिव मनोज पाराशर पर निलंबन की कार्रवाई की गई थी। वर्ष 2026 में अजीत सिंह व मंडी सुपरवाइजर कुलदीप सिंह को निलंबित किया गया है। दिलचस्प बात है कि 24 अक्टूबर 2025 को मार्केट कमेटी सेक्रेट्री मनोज पाराशर को निलंबित किया गया था, वहीं उसके ठीक छह दिन पूर्व असिस्टेंट सेक्रेट्री अजीत सिंह को निलंबित किया गया है।



अजीत सिंह सहायक सचिव



कुलदीप सिंह सुपरवाइजर

10 से 12 करोड़ रुपये की बताई जा रही कीमत, पीपीपी मोड पर मिलेगी जांच सुविधा

जिला नागरिक अस्पताल पहुंची एमआरआई मशीन, दीपावली तक शुरू होने की उम्मीद

- मेडिकल कॉलेज छोड़कर अब तक जिले के सरकारी ही नहीं, प्राइवेट अस्पतालों में भी उपलब्ध नहीं थी यह सुविधा

राजकुमार ⏭ नारनौल

जिले के मरीजों को एमआरआई जांच के लिए दूसरे शहरों का रुख करने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के प्रयासों से जिला नागरिक अस्पताल में पहली बार एमआरआई मशीन पहुंच गई है। विदेश से मंगवाई गई इस मशीन को अस्पताल के पुराने आपातकालीन वार्ड में तैयार किए गए विशेष कक्ष में लगाया जा रहा है। हालांकि, मरीजों को जांच सुविधा के लिए अभी इंतजार करना होगा। मशीन की स्थापना और तकनीकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही जांच शुरू हो सकेगी। स्वास्थ्य विभाग को दीपावली तक मशीन चालू होने की उम्मीद है।

बता दें कि करीब 10 से 12 करोड़ रुपये कीमत की बताई जा रही यह मशीन प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) यानी सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत सरकार और निजी संस्था के बीच तय शर्तों पर सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था होती है। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने विशेष प्रयास किए थे। इसके शुरू होने से एमआरआई जांच की जरूरत वाले मरीजों को स्थानीय स्तर पर सुविधा मिल सकेगी। अभी तक नारनौल शहर में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को चिकित्सकों की सलाह पर दूसरे शहरों में जाना पड़ता था। हालांकि मेडिकल कॉलेज कोरियावास में यह मशीन लगाई गई है, लेकिन वहां तीन–चार मरीजों की ही एमआरआई की जाती है, बाकी रेफर कर दिए जाते हैं।

अलग खबर



नारनौल। कंटेनर से एमआरआई मशीन उतारने की तैयारी करते कंपनी अधिकारी एवं कर्मचारी।

एमआरआई से शरीर के अंदरूनी अंगों की मिलती है स्पष्ट तस्वीर

एमआरआई का पूरा नाम मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग है। यह आधुनिक जांच तकनीक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र और रेडियो तरंगों की मदद से शरीर के अंदरूनी अंगों और ऊतकों की विस्तृत तस्वीरें तैयार करती है। इसमें एक्स-रे की तरह आयनीकरण विकिरण का इस्तेमाल नहीं होता। मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी, नसों, मांसपेशियों और जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की पहचान में यह जांच उपयोगी है। ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी की परेशानी, नसों पर दबाव और लिगामेंट की चोट जैसी स्थितियों में चिकित्सक जरूरत के अनुसार एमआरआई कराने की सलाह देते हैं। इससे बीमारी की प्रकृति समझने और उपचार की दिशा तय करने में मदद मिलती है।

यह बोले सिविल सर्जन



मशीन पीपीपी मोड पर लगाई जा रही है और इसे चालू करने का काम कंपनी के इंजीनियर करेंगे। दीपावली तक इसके शुरू होने की संभावना है। मशीन पीपीपी मोड पर खरीदी गई है। जांच की फीस और अन्य शर्तें संबंधित समझौते में निर्धारित हैं। मशीन का अस्पताल पहुंचना जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब इसके स्थापित होकर चालू होने का इंतजार है। दीपावली तक जांच शुरू होने पर मरीजों को एमआरआई के लिए दूसरे शहरों में जाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। -डा. अशोक कुमार, सिविल सर्जन, स्वास्थ्य विभाग, नारनौल



नारनौल। अनाज मंडी गेट पर बाजरा लेकर पहुंचा किसान। फोटो : हरिभूमि

अच्छे भाव से खिले किसानों के चेहरे मंडी में आसानी से बिका बाजरा

नारनौल। अनाज मंडी में बाजरे की आवक लगातार जारी है। अच्छे भाव मिलने से किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। सोमवार को मंडी में बाजरे की खरीद सुचारू रूप से हुई और किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। महज पांच गांवों के किसानों का शेड्यूल होने के कारण मंडी में भीड़ नियंत्रित रही। किसान, व्यापारी और मंडी कर्मचारी सभी व्यवस्था से संतुष्ट नजर आए। सोमवार को बाजरे का भाव 2300 से 2440 रुपये प्रति क्विंटल तक रहा, जबकि कुल 237 गेटपास कटे और करीब 5600 क्विंटल बाजरे की आवक हुई। गौर हो कि शनिवार को मंडी में इस सीजन की भारी आवक दर्ज की गई थी। उस दिन 1173 गेटपास कटे थे और करीब 28,174.50 क्विंटल बाजरा मंडी पहुंचा था। बाजरा 2300 से 2456 रुपये प्रति क्विंटल तक बिका था, जो जिले की मंडियों में अब तक का सर्वाधिक भाव रहा। करीब 46 गांवों के किसान एकसाथ उपज लेकर पहुंच गए थे। इससे मंडी में जगह कम पड़ गई थी और किसानों, व्यापारियों तथा कर्मचारियों को व्यवस्था संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। मार्केट कमेटी की कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव नुकुल यादव ने कहा कि मंडी में किसान अच्छे भाव मिलने से खुश हैं और सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। कमेटी के अधिकारी और कर्मचारी किसानों की सुविधा के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं तथा करीब 14 घंटे ड्यूटी देकर व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जा रही।

उनिन्दा के सरपंच शीशपाल निलंबित

मंडी अटेली। जिला उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 51 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए खण्ड अटेली नांगल की ग्राम पंचायत उनिन्दा के सरपंच शीशपाल को पद से तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी की रिपोर्ट और रिकॉर्ड फाइल के अनुसार सरपंच पर ग्राम पंचायत की भूमि खेवट नम्बर 234, खतौनी नम्बर 278, रकबा 23 कनाल 11 मरला को अवैध रूप से पट्टे पर देने और आगे बेचे जाने के मामले में लापरवाही बरतने के प्राथमिक आरोप सिद्ध हुए हैं। पंजाब विलेज कॉमन लैंड एक्ट 1964 के तहत पट्टे की जमीन को आगे नहीं बेचा जा सकता, लेकिन सरपंच ने नामांक पत्र में तथ्य छुपाए, अवैध कब्जा नहीं हटवाया और पंचायत संपत्ति की रक्षा करने में असफल रहे। सरपंच द्वारा 24 सितंबर 2026 को दिया गया स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया गया और 25 सितंबर 2026 की व्यक्तिगत सुनवाई में वह कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सके। डीसी ने उन्हें निलंबित करते हुए निर्देश दिया है कि वह पंचायत की चल-अचल संपत्ति का चार्ज नियमानुसार बहुमत वाले पंच को सौंपें। इसके अलावा उन्हें भविष्य में पंचायत की किसी भी कार्यवाही में भाग लेने से वंचित कर दिया गया है।

महिला व परिवार पर हमला

कनीना। सदर थाना अंतर्गत गांव मालडा बास में प्लॉट में काम कर रही महिला व परिजनों पर पड़ोसियों ने लाठी-डंडों से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बारे में पीड़ित उमेद सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी कौशल्या देवी घर के पास प्लॉट में काम कर रही थी, तभी पड़ोस के रहने वाले कुशल कुमार व उसकी पत्नी, मुकेश और उसकी पत्नी ने मिलकर अचानक से हमला कर दिया। इस हमले में कौशल्या देवी के दोनों पैरों में चोटें आईं। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आए उसके ससुर भंवर लाल और उमेद सिंह पहुंचे, तो आरोपितों ने उन दोनों पर भी हमला कर घायल कर दिया।



20 दिन से माइंस संचालक और ग्रामीणों में तनाव, पैमाइश रिपोर्ट में धांधली की आशंका

पंचायत की जमीन पर कब्जे व पहाड़ में अवैध खनन का आरोप, ग्रामीणों ने डीसी-एसपी दरबार में लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव दौखेरा में संचालित होने वाली माइंस के खिलाफ सोमवार को ग्रामीणों ने लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने खनन कार्य में नियमों की अनदेखी और कृषि योग्य भूमि को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए। प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने डीसी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बता दें कि पंचायत की जमीन पर कथित अतिक्रमण, पहाड़ में अवैध खनन और हजारों पौधों के नष्ट होने के आरोपों ने ग्रामीणों का गुस्सा भड़का दिया है। करीब 20 दिनों से माइंस संचालक और ग्रामीणों के बीच तनाव बना हुआ है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायत देने के बावजूद कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन मिल रहे हैं। आखिरकार सोमवार को ग्रामीणों ने उपायुक्त व एसपी कार्यालय पहुंचकर प्रशासन के सामने अपनी पीड़ा रखी और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। ग्रामीणों के अनुसार तीन दिन पहले प्रशासन ने माइंस की पैमाइश करवाई थी। ग्रामीणों का दावा है कि पैमाइश में खनन कार्य पंचायत के रकबे में होने की बात सामने आई। उन्होंने पैमाइश रिपोर्ट में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए इसकी दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले जेडी माइंस के खिलाफ भी सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज करवाई गई थी, लेकिन उनके अनुसार उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद खदान दूसरे संचालक को सौंप दी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि नए संचालक को खनन की प्रशासनिक अनुमति नहीं मिलने के बावजूद पहाड़ पर पोकलेन और जेसीबी मशीनें लगाकर काम शुरू कर दिया गया।



नारनौल। लघु सचिवालय में नारेबाजी करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हजारों पौधे मिट्टी में दबे, पर्यावरण को नुकसान

ग्रामीणों का कहना है कि खदान से निकाली गई मिट्टी पंचायत की जमीन पर डाली जा रही है। इससे पहाड़ की तलहटी में लगाए गए हजारों छायादार पौधे दबकर नष्ट हो गए। ग्रामीणों के अनुसार इन पौधों को पर्यावरण संरक्षण और पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता को ध्यान में रखकर लगाया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पंचायत की जमीन पर अतिक्रमण और अवैध खनन हो रहा है, तो जिम्मेदार विभाग कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे?।

सरपंच-माइंस संचालक की मिलीभगत का आरोप

ग्रामीणों ने सरपंच पर भी माइंस संचालक से मिलीभगत कर पंचायत की जमीन को खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाया। उन्होंने संचालक पर पुलिस कार्रवाई की धमकी देकर आवाज दबाने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

डीसी ने जांच कमेटी बनाने के दिए निर्देश

ग्रामीणों ने एसपी दीपक से मुलाकात कर सुरक्षा और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। एसपी ने प्रमाणों सहित शिकायत देने को कहा और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं डीसी ने एसडीएम को कमेटी गठित कर मामले की जांच करवाने और रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। अब ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन की जांच पर टिकी हैं। उनका कहना है कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि पंचायत की जमीन की वास्तविक पैमाइश, खनन की वैधता और पौधों को हुए नुकसान की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
20 अक्टूबर 2026

सहेली

विशेष: विजय दशमी



विजय दशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का, अधर्म पर धर्म की जीत का, अनीति पर नीति की जीत का और अन्याय पर न्याय की जीत का उत्सव है। उत्सव मनाने के साथ ही यह पर्व हर तरह की दुष्प्रवृत्ति का प्रतिकार करने का संदेश भी देता है। महिलाओं के लिए इस पर्व में निहित संदेश बहुत मायने रखते हैं। केवल अपने घर-परिवार में ही नहीं आस-पड़ोस और समाज में भी किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या अन्याय के प्रतिकार का सामर्थ्य हर महिला में अवश्य होना चाहिए।

जरूरी है बुराइयों के प्रतिकार का सामर्थ्य

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

हमारे परंपरागत पर्व हर मोर्चे पर जीवन साधने की सीख लिए होते हैं। नवरात्र के नौ दिनों में मन की शक्ति जुटाने के बाद आने वाला विजय दशमी का पर्व बुराई के प्रतिकार का हौसला रखने का संदेश देता है। यह त्योहार अहंकार और आक्रामकता पर विनम्रता और अच्छाई की जीत का उत्सव है। प्रभु श्रीराम की विजय के इस पावन पारंपरिक पर्व पर महिलाएं भी व्यावहारिक जीवन में बुराइयों से जूझने का पाठ पढ़ सकती हैं। असल में किसी भी तरह की बुराई से लड़ने के लिए मन की शक्ति को साधने के साथ ही समझ और सूझ-बूझ के साथ जीवन के मैदान में डटे रहना होता है। घर हो या बाहर, महिलाएं अपनी समझ, स्नेह और साथ-सहयोग के भाव संग हर तरह की नकारात्मक सोच, दुर्व्यवहार और दुष्प्रवृत्ति को मात दे सकती हैं।

स्पष्ट सोच और मजबूत मन

सबसे पहले तो हर स्त्री को खुद में, अपने ही जीवन से जुड़ी परेशानियों का प्रतिकार करने की सोच लानी होगी। उन समस्याओं के कारणों को समझना होगा। संबंधों से जुड़ी उलझनें हों या दूसरों के गलत व्यवहार से उपजी तकलीफें, हिम्मत के साथ दिलोदिमाग में स्पष्टता भी रखनी होगी। यूं भी जिंदगी के किसी भी मोर्चे पर मन-मस्तिष्क को मजबूत



बनाकर ही किसी बुराई से जूझा जा सकता है। सधी सोच हो, तो ही गलत बात का विरोध किया जा सकता है। नकारात्मकता से लड़ा जा सकता है। मुखर होकर अपनी बात कही जा सकती है। इसीलिए बात परिवार की हो या परिवेश की, सबसे पहले हालात को समझते हुए अपने दिलोदिमाग की उथल-पुथल को ठहराव दें। यह साफ समझें कि किसी तरह के बुरे बर्ताव, बोलचाल या बदसलूकी का विरोध करना है, तो करना है। इसमें अपना पराया न देखें। गलत को गलत कहने के लिए अपनी सोच स्थिर और स्पष्ट रखें। बुराई से लड़ने के मामले में एक बार कदम आगे बढ़ा लें तो पीछे ना हटें। यह तभी संभव है, जब अपनी सोच और मन मजबूत हो।

सहयोग लेने का रखें सहज भाव

प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध जीतने के लिए वानरों का भी सहयोग लिया। अधर्म से दूरी बनाकर निःस्वार्थ भाव से दिए गए विभीषण के मार्गदर्शन को मान दिया। माता सीता को वापस लाने की जद्दोजहद में विनम्रता के साथ सबकी सलाह सुनी। दूसरों के विचारों को मान दिया। महिलाओं को भी बुराइयों के प्रतिकार हेतु ऐसी ही सहज समझ रखनी चाहिए। किसी की सहायता करने के लिए बड़ा दिल रखना ही नहीं, सहायता लेने की खुली सोच रखना भी बुराई से लड़ने के लिए जरूरी है। पर्सनल फ्रंट हो या सामाजिक-पारिवारिक मोर्चा, बुराई से अकेले नहीं लड़ा जा सकता।

साथ, सहयोग देने और जुटाने का गुण हर मुश्किल और अमानवीय बुराई से जूझने के लिए जरूरी है। इसके लिए अहंकार से बचें। यहां तक कि किसी महिला का साथ देने के लिए पुरुष का सहयोग लिया जा सकता है। आपसी समझ अच्छी हो तो पति, बेटे, भाई या पिता, स्त्री जीवन से जुड़ी समस्या से लड़ने में भी आपके मददगार बन सकते हैं। कई बार मुश्किल वक्त में भी ईगो साथ लेने ही नहीं, सहयोग देने में भी खूब आड़े आता है। जबकि स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन समझाता है कि सभी को साथ लेकर चलने की सोच, घर से लेकर बाहर तक बड़े बदलाव लाने का माध्यम बनी है। बुराइयों से जूझने के दौर में संबल देने वाली साबित हुई है।



अच्छाई का साथ देने का सामर्थ्य

बुराई के प्रतिकार के साथ ही इसको जड़ें जमाने से रोकने के लिए भी अच्छाई का साथ देना जरूरी है। नेकी का परिवेश नकारात्मक को फलने-फूलने नहीं देता। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व, दशहरा भी यही समझाता है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, विजय सच की ही होती है। सच्चाई के साथ अच्छाई के लिए लड़ना आसान हो जाता है। बुराई से जीतने की जंग कठिन होने पर भी उस पर चलने की हिम्मत बनी रहती है। सही बात का समर्थन करने का साहस बना रहता है। इसीलिए फायदे-नुकसान या मुश्किल-आसान के फेर में न पड़कर सच के साथ खड़ी रहें। घरेलू मामलों में कई बार सही-गलत का चुनाव मुश्किल हो जाता है। किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव भी रहता है। स्वतंत्र निर्णय लेने से रिश्तों में और उलझनें बढ़ने की फिक्र भी सताती है। पर याद रहे कि सही रास्ता चुनना और सही के साथ खड़े होने का गुण ही आपके सजग अस्तित्व का प्रतीक है।

दूरदर्शी सोच अपनाएं

ससुराल में बेटी के हिस्से आ रही बेवजह की तकलीफें हों या असुरक्षा के घेरे में फंसी आस-पड़ोस की कोई महिला, बहुत-सी स्त्रियां इन बातों-हालातों को समझती हैं, लेकिन साथ देने में जरा देर कर देती हैं। 'सब ठीक हो जाएगा' की सोच से बुराई के घाव अकसर नासूर बन जाने के बाद संभाले जाते हैं। समय रहते चेत जाने का गुण हर तरह की अनीति और अपराध से लड़ने का मुख्य हथियार है। छेड़छाड़ के दुर्व्यवहार की अनदेखी का नतीजा कई बार बर्बर घटना के रूप में सामने आता है। अपने बच्चों का बचपना लगने वाली दिशाहीनता, विरोध न किया जाए तो वे अपराध तक कर बैठते हैं। समय रहते सख्ती न बरती जाए तो बच्चे बुरी लत में फंस जाते हैं। देवरानी-जेठानी हों या घर के बड़े-बुजुर्ग छोटा-मोटा मनमुटाव रिश्तों में एक कटुता पैदा कर देता है। इसीलिए महिलाओं को समझना होगा कि सभी बुराइयों की शुरुआत बहुत आम से लगने वाले व्यवहार से होती है। एक सामान्य या मन को उद्वेलित करने वाला विचार हर तरह की नकारात्मकता की जड़ बन जाता है। जरूरी है कि स्त्रियां छोटी-छोटी बातों को लेकर भी सचेत रहें। विवेकशील सोच के साथ समस्याओं से जूझने के कदम उठाएं। समय रहते चेत जाएं तो परिवार हो या समाज, हर अनैतिक और असभ्य व्यवहार को पहले ही कदम पर रोका जा सकता है। दूरदर्शिता का गुण दुष्प्रवृत्ति से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। बुराई के जड़ें जमाने से पहले ही उखाड़ फेंकने के लिए भी यह दूरदर्शिता आवश्यक है।

अपनी बुराइयों के अंत के लिए बच्चों को ऐसे करें प्रेरित

नादान बच्चे अनजाने में कुछ बुरी आदतें अपना लेते हैं। इन बुरी आदतों को अभिभावक डांटकर नहीं, प्यार से सुधारें। उन्हें अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बड़े बच्चों के सामने अपना आचरण भी ऐसा रखें कि वे अच्छी बातें अपनाने के लिए प्रेरित हों।

बच्चे और आप
पूर्ति खरे



हर साल दशहरे पर बच्चे अपने माता-पिता के साथ रावण दहन देखने जाते हैं। जब बच्चे रावण के पुतले को जलते हुए देखते हैं, तो उनके मन में कई सवाल उठते हैं- रावण क्यों जलाया जाता है? अगर बुराई पर अच्छाई की जीत का नाम विजय दशमी है, तो अच्छाई और बुराई कैसे पहचानें? हम अच्छे कैसे बनें? आप बच्चों के मन में उठते इन सवालों का जवाब जरूर दें, उन्हें बताएं कि विजय दशमी में बुराई पर अच्छाई की जीत केवल राम और रावण की कहानी नहीं है, यह कहानी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ती है। यह हमारे लिए एक बड़ा सबक है। हम बच्चों को कैसे बुराइयों से दूर रखें, उन्हें अच्छा बनने के लिए प्रेरित करें, यहां विस्तार से जानिए

गलती स्वीकारना और सुधारना सिखाएं: बच्चा झूठ बोलता है, गुस्सा करता है या अपनी गलती स्वीकार नहीं करता, तो हम उसे जिद्दी, झूठा या बिगड़ैल कह देते हैं। लेकिन बच्चे को डांटने या बुरा कहने के बजाय उसके व्यवहार को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। उसे समझाएं कि गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन उसे स्वीकार करना और सुधारना एक अच्छी बात है।



डांटकर नहीं, प्यार से समझाएं: मान लीजिए, बच्चे ने खेलते समय कोई सामान तोड़ दिया है। डर के कारण वह झूठ बोल देता है कि उसने नहीं तोड़ा। ऐसे में बच्चे को अपमानित करने के बजाय प्यार से पूछें, 'सच-सच बताओ, यह चीज टूटी कैसे। प्रॉमिस करो, आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करोगे, जिससे कोई नुकसान हो।' इससे बच्चा समझेगा कि सच बोलना, गलती छिपाने से बेहतर है।

तुलना नहीं, प्रोत्साहित करें: जब बच्चे के किसी दोस्त को अच्छे अंक मिलते हैं या भाई-बहन को कोई उपहार मिलता है, तो बच्चे के मन में ईर्ष्या के भाव आ सकते हैं। ऐसे में उसे डांटने के बजाय समझाएं कि किसी दूसरे की सफलता का मतलब हमारी हार नहीं है। किसी दूसरे बच्चे से तुलना करने के बजाय, उसको अच्छे प्रयास करने के लिए प्रेरित करें, उसके इस प्रयास के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वह अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना सीखें।

बातें सुनें और जिम्मेदारियां समझाएं: बच्चों के साथ बैठकर उनकी बात सुनें और उन्हें अपनी जिम्मेदारियां समझाएं। साथ ही अपने व्यवहार से भी वही उदाहरण प्रस्तुत करें, जिसकी अपेक्षा आप बच्चों से करते हैं। बच्चों में सही गलत बात की सीख और समझ जरूर विकसित करें। वह कभी किसी के दबाव में आकर कोई गलत काम ना करें, न ही किसी गलत बात का समर्थन करें। बच्चों को गलत बातों का विरोध करना भी सिखाएं। वे हमेशा सच्चाई का साथ दें, झूठ से दूर रहें।

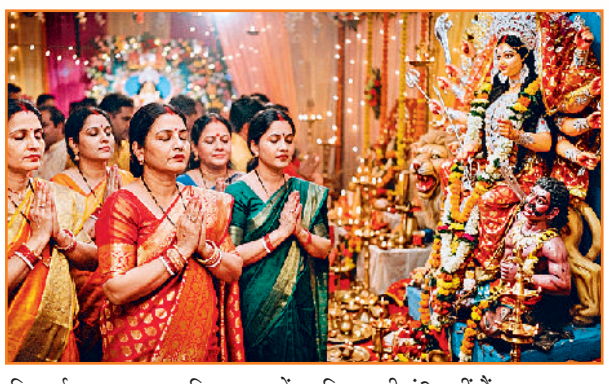
सकारात्मक परवरिश का सार : क्यों न, इस विजय दशमी परिवार के सभी सदस्य अपनी एक बुरी आदत खत्म करने का संकल्प लें। जैसे- बच्चा कहे कि वह गलती होने पर सच-सच बताएगा। माता-पिता संकल्प लें कि वे गुस्से में ऊंची आवाज में नहीं बोलेंगे। पैरेंट्स भी उन बुरी आदतों को छोड़ेंगे, जिनके लिए अपने बच्चों को रोकते-टोकते हैं। सप्ताह के अंत में परिवार के सभी सदस्य बैठकर आपस में चर्चा करें कि कौन, कितना अपना संकल्प अमल में लाया। कोई गलती होने पर गुस्साने के बजाय बच्चों को सुधारने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को यह भी समझाएं कि दूसरों का मजाक उड़ाना या किसी कमजोर को परेशान करना सही नहीं है। यदि वे किसी को दुःख पहुंचाते हैं, तो उनसे माफी मांगे और अपनी गलती सुधारें। जिस दिन बच्चा अपनी गलती पहचानकर उसे सुधारने की कोशिश करना सीख जाता है, उसी दिन बुराइयों पर अच्छाई की जीत शुरू हो जाती है। ऐसी ही छोटी-छोटी जीतें मिलकर एक संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान बनाती हैं। यही विजय दशमी की सच्ची सीख है, यही सकारात्मक परवरिश का सार भी है।

दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक तो है ही। यह पर्व प्रतीकात्मक रूप में महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने के लिए भी प्रेरित करता है, नई पीढ़ी को संस्कारित भी करता है।

महिलाओं के लिए शक्ति आह्वान संस्कार पोसने का पर्व है दशहरा

पर्व-संदेश
वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी, बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व तो है ही, साथ ही महिलाओं के लिए दशहरा अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और नई पीढ़ी को संस्कारित करने का अवसर भी है।



नारी शक्ति का प्रतीक देवी दुर्गा: विजय दशमी से जुड़ी देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा, नारी शक्ति का सबसे प्रभावशाली प्रतीक मानी जाती है। इस कथा का संदेश आज भी प्रासंगिक है। महिला चाहे गृहिणी हो, नौकरीपेशा हो, व्यवसायी हो या किसी अन्य क्षेत्र में कार्यरत हो, उसके भीतर परिस्थितियों से संघर्ष करने और परिवार को संभालने की अद्भुत क्षमता होती है।



बच्चों को देती हैं संस्कार: बच्चों को रामायण की कथा सुनाना, सत्य-धर्म का महत्व समझाना तथा बड़ों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी हमारी माताओं और दादियों की परंपरा का हिस्सा रहा है। इस तरह महिलाएं त्योहार के माध्यम से संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। आज इस बात की बहुत जरूरत है कि बच्चों (खासतौर पर बेटियों) को केवल त्योहारों की पूजा-पद्धति न सिखाई जाए, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आत्मरक्षा, निर्णय लेने की क्षमता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता का संस्कार भी दिया जाए। दशहरा हमें सिखाता है कि शक्ति का अर्थ केवल बाहरी सामर्थ्य नहीं, बल्कि सही और गलत के बीच अंतर समझना है।

करें आत्मचिंतन: दशहरे पर घर में पूजा, दीप प्रज्ज्वलन, शंखनाद और आरती के साथ वातावरण भक्तिमय हो जाता है। लेकिन त्योहार की सार्थकता तब और बढ़ती है, जब पूजा के साथ आत्मचिंतन भी किया जाए। आप स्वयं से पूछ सकती हैं कि क्या मैं अपने लिए भी समय निकालती हूं? कहीं मैं आत्मसम्मान से समझौता तो नहीं कर रही? इन सवालों के जवाब आपको आत्मसुधार के लिए प्रेरित करेंगे।

चुनौतियां से लड़ने की प्रेरणा: रावण के दस सिर को यदि प्रतीकात्मक रूप से देखें, तो वे अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों की याद दिलाते हैं। महिलाओं के जीवन में भी कई प्रकार की सामाजिक और मानसिक चुनौतियां आती हैं। भेदभाव, असुरक्षा, रूढ़ियां, आत्मविश्वास की कमी और दूसरों की अपेक्षाओं का दबाव जैसी नकारात्मकताओं पर विजय पाने की प्रेरणा भी यह पर्व देता है।

वास्तविक विजय का अर्थ: दशहरा इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह आपको अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने का अवसर देता है। इस दिन अपने भीतर के डर, हीनभावना, क्रोध या आत्मविश्वास की कमी को भी दूर करने का संकल्प लें, तो विजय दशमी पर्व का संदेश और सार्थक हो सकता है।

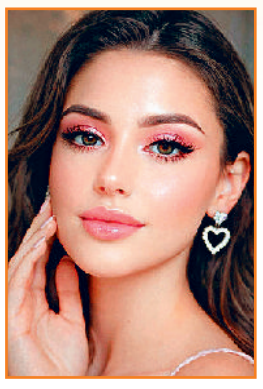
फेस्टिव सीजन के लिए परफेक्ट है मिनरल मेकअप

मेकअप
प्रीति गुप्ता

जब बात फेस्टिव सीजन में सजने-संवरने की आती है, तो महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए खूब चाव से मेकअप करती हैं। जहां पहले के दौर में फेस्टिव मेकअप में हैवी फाउंडेशन, कंसीलर और कई लेयर वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता था, वहीं अब नेचुरल और लाइट मेकअप का ट्रेंड पसंद किया जा रहा है। इसी वजह से मिनरल मेकअप भी महिलाओं के बीच पॉपुलर हो रहा है। इसमें चेहरे को बहुत ज्यादा ढंकने के बजाय त्वचा की नेचुरल खूबसूरती को बनाए रखने पर जोर दिया जाता है।

त्वचा को करें तैयार: मिनरल मेकअप का अच्छा लुक पाने के लिए पहले पहले स्किन की तैयारी जरूरी है। चेहरे को साफ करने के बाद अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉयश्चराइजर लगाएं। दिन में फंक्शन है तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। अच्छी तरह मॉयश्चराइज की गई त्वचा पर मेकअप ज्यादा स्मूद दिखाई देता है।

मिनरल फाउंडेशन करें यूज: अगर आप मिनरल फाउंडेशन या मिनरल पावडर इस्तेमाल कर रही हैं, तो इसकी बहुत मोटी लेयर लगाने से बचें। जहां जरूरत हो, वहीं हल्की मात्रा में लगाएं। इसका उद्देश्य आपकी रंगत को थोड़ा समान दिखाना है। इससे चेहरा नेचुरल नजर आएगा।



कंसीलर सिर्फ जरूरत वाली जगह लगाएं: त्योहारों के मेकअप में आंखों के नीचे हल्के डार्क सर्कल या छोटे दाग-धब्बों को कवर करने के लिए कंसीलर लगाया जा सकता है। लेकिन पूरे चेहरे पर इसकी मोटी परत लगाने की जरूरत नहीं है। कम प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से मेकअप ज्यादा नेचुरल ही नहीं अधिक आकर्षक भी दिखाई देता है।

आंखों को दें सॉफ्ट टच: आंखों के लिए बहुत ज्यादा गहरा मेकअप करने के बजाय ब्राउन, गोल्डन या सॉफ्ट शिमरी शेड चुन सकती हैं। पतली आईलाइनर लाइन और हल्का सा मस्कारा आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए काफी है। अगर शाम का फंक्शन है, तो आंखों के अंदरूनी कोने पर हल्का शिमर लगाया जा सकता है।

ब्लश से मिलेगी फ्रेशनेस: मिनरल मेकअप में ब्लश का इस्तेमाल चेहरे को फ्रेश और हेल्दी लुक देने के लिए किया जाता है। पीच, सॉफ्ट पिंक या रोजी शेड के ब्लश, त्योहारों के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ब्लश को गालों पर हल्के हाथों से लगाएं ताकि ब्लश का शेड ज्यादा गहरा न दिखे।

होंठों पर सॉफ्ट कलर: मिनरल मेकअप के साथ होंठों पर न्यूड, रोज, पीच या सॉफ्ट ब्राउन शेड खूबसूरत लग सकते हैं।

हाईलाइटर: सबसे लास्ट में चीकबोंस, नाक के ऊपरी हिस्से और आंखों के अंदरूनी कोने पर थोड़ी मात्रा में हाईलाइटर लगाएं।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सिमरन अरोड़ा से बातचीत पर आधारित)

त्योहारों में जरूरी है खुद की देखभाल

त्योहार अपनों के साथ खुशियां मनाने के लिए होते हैं, खुद को थकाकर बीमार करने के लिए नहीं। जब आप अपना ध्यान रखेंगी, देखभाल करेंगी, तभी त्योहारों का असली आनंद ले पाएंगी।

सेल्फ केयर
पारुल अग्रवाल मित्तल

पर्व-त्योहार खुशियां लेकर जरूर आते हैं, लेकिन इन दिनों घर की महिलाओं के काम बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं। घर की साफ-सफाई, खरीदारी, पकवान बनाना और मेहमानों की खातिरदारी का सारा बोझ उन पर ही होता है। इससे अकसर महिलाएं तनाव में आ जाती हैं, इसे मेडिकल भाषा में फेस्टिव बर्नआउट हैं। इसलिए त्योहारों पर कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अपने आपको न भूलें: त्योहारों में महिलाओं की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। वे यह भूल जाती हैं कि त्योहार की खुशी में उनका अपना हिस्सा भी उतना ही जरूरी है, जितना बाकी सबका। इसलिए इस बार त्योहार की तैयारी में अपने आपको भूलें नहीं, त्योहार की खुशी का हिस्सा बनें।

अपने लिए सजे-संवरें: त्योहार पर सजना-संवरना सिर्फ दूसरों की खुशी के लिए नहीं, अपनी खुशी के लिए भी जरूरी है। आप अपनी पसंद की ड्रेस पहनें, बाल संवारें, मेकअप करें, अपनी पसंद की कोई एसेसरी पहनें। ये सब अपने आपको खुशी देते हैं। त्योहार पर आईने में खुद को देखकर मुस्कुराना आत्मविश्वास बढ़ाता है। इस आत्मविश्वास की एक अलग ही खुशी महसूस होती है।



मुस्कुराता हुआ हो आपका चेहरा: त्योहारों की रोशनी सिर्फ घर के दीयों से ही नहीं, घर के लोगों के मुस्कुराते चेहरों से भी आती है। इस रोशनी में सिर्फ आपका मुस्कुराता चेहरा ही नहीं, परिवार के बाकी सदस्यों का चेहरा भी मुस्कुराता हुआ होना जरूरी है। इसलिए इस त्योहार घर की सफाई करते हुए अपने मन की थकान भी हमेशा साफ रखें। त्योहारों की छोटी-सी सेल्फ-केयर है, काम का बेहतर बंटवारा। इससे आपको खुशी मिलेगी और घर में खुशनुमा माहौल भी बनेगा।

स्वाद के साथ सेहत का भी रखें ख्याल: त्योहारों पर अधिक मिठाइयां और तला-भुना खाना शरीर पर भारी पड़ सकता है। इसके लिए डाइट को बैलेंस करें। एक टाइम हैवी डाइट ली है, तो दूसरे टाइम कुछ लाइट खाएं। बार-बार चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स से बचें। पानी पर्याप्त मात्रा में पीती रहें। भोजन में फल, सलाद और हल्का खाना शामिल करें। त्योहार की खुशी अगले दिन भारीपन, एसिडिटी या थकान में न बदल जाए, इसका ध्यान रखना अपनी देखभाल का हिस्सा है।

पर्याप्त नींद लें: त्योहारों की तैयारियों में अकसर रात देर तक जागना और सुबह जल्दी उठना सामान्य सी दिनचर्या हो जाती है। कुछ जिम्मेदारियां परिवार के दूसरे सदस्यों को भी दें और अपनी नींद को प्राथमिकता दें। इससे आप अपना फ्रेश फील करेंगी।

काम के बीच लेती रहें ब्रेक

जब आप लगातार काम करती हैं, तो शरीर और दिमाग दोनों थक जाते हैं। ऐसे में त्योहारों से पहले अपने सभी कामों की सूची बना लें। कोशिश करें कि आप कामों के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लें। इस दौरान चाय-कॉफी के साथ कुछ देर शांत बैठना, थोड़ी देर टहलना, संगीत सुनना या फिर बस आंखें बंद करके आराम करना भी पर्याप्त है, इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और चेहरे पर ताजगी बनी रहेगी।



खबर संक्षेप

ईटीओ बनने पर राव जयराम कॉलेज में खुशी का माहौल

महेंद्रगढ़। राव जयराम डिग्री कॉलेज के विद्यार्थी साहिल पुत्र महेंद्रगढ़ वासी चरखी दादरी का आबकारी एवं कराधान अधिकारी पद पर चयन होने से कॉलेज परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यार्थी की इस उपलब्धि ने न केवल संस्थान का मान बढ़ाया है, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के सामने मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण की एक प्रेरणादायक मिसाल भी प्रस्तुत की है। कॉलेज के निदेशक सुरेंद्र कुमार ने चयनित विद्यार्थी को बधाई देते हुए कहा कि किसी विद्यार्थी की सफलता उसके परिश्रम, परिवार के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का सार्थक परिणाम होती है।



बीआर ज्ञानदीप में मनाया दशहरा पर्व

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास में दशहरे का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में रावण दहन का आयोजन किया गया। वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा और पूरा परिसर भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक आस्था के रंग में रंग गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को दशहरे के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक महत्व से अवगत कराया गया। विद्यालय के चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि अहंकार, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और अन्य बुराइयों को त्यागकर सत्य, सदाचार, विनम्रता एवं कर्तव्यनिष्ठा अपनाने की प्रेरणा देने वाला पर्व है।

सेवानिवृत्त डीएसपी पंचतत्व में विलीन

महेंद्रगढ़। भालखी निवासी सेवानिवृत्त डीएसपी रामचंद्र का करीब 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रामचंद्र अत्यंत सभ्य, सरल, सहनशील एवं मिलनसार स्वभाव के धनी थे। वे एक सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने अपने व्यवहार, विनम्रता और सामाजिक सद्भाव से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। उनके निधन से परिवार, रिश्तेदारों एवं परिचितों को गहरा दुख पहुंचा है। वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र, पुत्रवधुएं, पौत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।



200 सेविकाओं ने निकाला पथ संचलन

महेंद्रगढ़। राष्ट्र सेविका समिति भिवानी विभाग की ओर से रविवार को हुडा पार्क में पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भिवानी विभाग के अंतर्गत आने वाले रेवाड़ी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़ और भिवानी जिलों से पहुंची करीब 200 सेविकाओं ने भाग लिया। गणवेश में निकली सेविकाओं के पथ संचलन का शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। पथ संचलन हुडा पार्क से शुरू होकर बालाजी चौक, मसानी चौक, ब्राह्मण सभा, परशुराम चौक, नगर पालिका परिसर और डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक से होते हुए वापस हुडा पार्क पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान सेविकाओं में अनुशासन और उत्साह दिखाई दिया।

जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक बैठक

नारनौल। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा नई दिल्ली की त्रैमासिक बैठक कन्याकुमारी में संपन्न हुई। तमिलनाडु की नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी हुआ। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामपाल जांगिड़ ने राम किशोर आसलियां को तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष तथा उनकी नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हरियाणा प्रदेश के नारनौल से महासभा के संरक्षक कृष्ण अवतार जांगिड़, संरक्षक सत्यनारायण जांगिड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामफल शास्त्री तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वेदप्रकाश जांगिड़ ने शिरकत की।

मेघनाद ने हनुमान की मौजूदगी पर आपत्ति जताई

रामलीला में लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध देख दर्शक रह गए दंग

सुषेण वैद्य ने लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने की बात कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अनाज मंडी स्थित श्री कृष्णा ड्रैमेटिकल क्लब के रंगमंच पर भगवान नारायण सेवा संस्था की ओर से आयोजित रामलीला के 12वें दिन सुलोचना महल, लक्ष्मण शक्ति और लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध की लीला का मंचन किया गया। युद्ध के रोमांचक दृश्यों, दमदार संवादों और कलाकारों के शानदार अभिनय ने दर्शकों को बांधे रखा। लीला के दौरान दिखाया गया कि युद्धभूमि में मेघनाद अपनी पूरी शक्ति लगाने के बावजूद लक्ष्मण को पराजित नहीं कर पाता। लक्ष्मण और मेघनाद के बीच हुए भीषण युद्ध में दोनों ओर से खूब अस्त्र-शस्त्र चलाए जाते हैं। जब मेघनाद को लगा कि वह लक्ष्मण को सीधे युद्ध में नहीं हरा सकता, तो उसने छल का सहारा लिया। मेघनाद ने हनुमान की मौजूदगी पर आपत्ति जताई। लक्ष्मण ने हनुमान को दूसरी ओर जाकर युद्ध करने के लिए कहा।

हनुमान के वहां से चले जाने के बाद मेघनाद ने अवसर पाकर शक्ति बाण चला दिया। शक्ति बाण लगते ही लक्ष्मण मूर्छित होकर धरती पर गिर पड़े। लक्ष्मण को मूर्छित देखकर रामादल में हाहाकार मच गया। श्रीराम अपने भाई की हालत देखकर व्याकुल हो उठे। इसके बाद सुषेण वैद्य ने लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने की बात कही। हनुमान संजीवनी बूटी लेने के लिए निकल पड़े और बूटी लेकर वापस पहुंचे। संजीवनी के प्रभाव से लक्ष्मण को होश आने का दृश्य देखकर पूरा वातावरण तालियों से गूंज उठा। रामलीला के प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन व रामलीला कमेटी के संरक्षक वेदप्रकाश सैनी ने बताया कि रामलीला का शुभारंभ प्रमुख समाजसेवी निपेंद्र संघी व पवन कुमार यादव ने गणेश पूजन के साथ किया।



नारनौल। रामलीला में अभिनय करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि



मंडी अटेली। रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

छोटे भाई लक्ष्मण को मूर्छित देख रोए प्रभु श्रीराम

नारनौल। श्री दुर्गा रामलीला सेवा समिति निवासनगर की ओर से आयोजित की जा रही रामलीला में रविवार रात को अंगद-रावण संवाद में लक्ष्मण की मूर्छा की लीला का मंचन हुआ। पूर्व प्रधान कमल सैनी ने बताया कि मुख्य अतिथि महेंद्र सैनी मिवाड़ी ने लीला का शुभारंभ किया। मंच का संचालन जयसिंह सैनी ने किया। लीला का प्रथम दृश्य रावण-अंगद संवाद का हुआ। जिसमें अंगद ने अपना पैर धरती पर जमाया, लेकिन रावण का कोई भी योद्धा अंगद की पांव को हिला तक न सका। फिर अंगद भरे दरबार में युद्ध का ऐलान करके चला आया। लक्ष्मण मेघनाथ के बीच भयंकर युद्ध हुआ, जिससे मेघनाथ ने शक्ति बाण द्वारा लक्ष्मण को मूर्छित कर दिया। अंत में हनुमान जी ने द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राण बचाए। इस मौके पर पूर्व प्रधान प्रवीण सैन, मोहर सिंह सैनी, मोहनलाल सोनी, मदनलाल वर्मा, किशनलाल जोशी, विनोद वर्मा, कृष्ण दूधिया आदि मौजूद रहे।

अंगद-रावण संवाद व लक्ष्मण शक्ति का मंचन

मंडी अटेली। झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला के 13वें दिन अंगद-रावण संवाद, सेतु बंध स्थापना, लंका में प्रवेश, कुंभकरण को जगाने और लक्ष्मण शक्ति सहित अनेक आकर्षक लीलाओं का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लीला के दौरान नल-नील सहित वानर सेना ने समुद्र पर सेतु का निर्माण किया। इसके बाद भगवान राम, लक्ष्मण और वानर सेना समुद्र पार कर लंका की सीमा पर पहुंचे। उधर विभीषण ने रावण को समझाया कि वह माता सीता को प्रभु श्रीराम को लौटा दें, क्योंकि श्रीराम स्वयं नारायण हैं और उनसे बैर करना उचित नहीं है। रावण ने क्रोधित होकर विभीषण को लात मारकर दरबार से बाहर निकाल दिया। इसके बाद विभीषण भगवान राम की शरण में पहुंच गए। इसके बाद अंगद रावण के दरबार में पहुंचे और उसे युद्ध टालने के लिए समझाने का प्रयास किया। रावण के न मानने पर अंगद ने दरबार में अपना पैर जमा दिया और चुनौती दी कि यदि कोई उनका पैर हिला दे तो वे हार मान लेंगे। रावण के योद्धा भी अंगद का पैर नहीं हिला सके। जब रावण स्वयं आगे बढ़ा तो अंगद ने कहा कि पैर पकड़ना ही है तो प्रभु श्रीराम के पकड़ो, जिससे तुम्हारा उद्धार हो सकता है। वहीं लंका में कुंभकरण को जगाने के लिए नगाड़े बजाए गए और तरह-तरह के प्रयास किए गए। जागने के बाद कुंभकरण ने भरपेट भोजन किया। दूसरी ओर, रावण ने मेघनाद को राम-लक्ष्मण से युद्ध करने के लिए भेजा। मेघनाद और लक्ष्मण के बीच भीषण युद्ध हुआ। मेघनाद ने शक्ति प्रहार कर लक्ष्मण को मूर्छित कर दिया। हनुमान लंका के राजवैद्य सुषेण को लेकर आए।



श्रीराम-लक्ष्मण का प्रेम, भरत का त्याग एकता की मिसाल

महेंद्रगढ़। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के शक्तिपीठ रंगमंच पर आयोजित सांस्कृतिक व धार्मिक महोत्सव में वक्ताओं ने रामायण के नैतिक मूल्यों और सामाजिक सरोकारों पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी बलवान फौजी और विशिष्ट वक्ता अर्चना ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर सत्र की शुरुआत की और युवा पीढ़ी को मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को जीवन में उतारने का संदेश दिया। मुकेश कुमार ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा, त्याग और कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। वक्ताओं के संबोधन के बाद रंगमंच पर रामायण के सबसे महत्वपूर्ण प्रसंगों में से एक 'रावण-अंगद संवाद' का अत्यंत प्रभावशाली मंचन किया गया।



रामलीला में किया सुग्रीव मित्रता की लीला का मंचन

सतनाली। मंडी। कस्बे के भैरव मंदिर के पास न्यू रामलीला कमेटी सतनाली की ओर से आयोजित रामलीला के आठवें दिन सुग्रीव मित्रता, बाली वध एवं अक्षय कुमार वध की लीलाओं का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय की सराहना की। रामलीला के दौरान भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम द्वारा बाली वध की लीला का मंचन किया गया, जिसमें धर्म, न्याय और मित्रता के महत्व को दर्शाया गया। वहीं अक्षय कुमार वध की लीला ने भी दर्शकों को भावविभोर कर दिया।



चांदुवाड़ा रामलीला में जीवंत हुए रामसेतु प्रसंग

नारनौल। मोहल्ला चांदुवाड़ा स्थित श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव में रामसेतु निर्माण, विभीषण शरणागति, रावण-अंगद संवाद और लक्ष्मण शक्ति के सजीव दृश्यों ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इस मनमोहक मंचन में श्री राम की भूमिका दीपक हरित ने, माता सीता की विकास चौहान, लक्ष्मण की शुभम वर्मा, हनुमान की तरुण सोनी, रावण की भूमिका विशाल हरित ने निभाई। इसके अलावा मेघनाद के रूप में बलवंत सैनी, विभीषण के रूप में सत्यम वर्मा, अंगद के रूप में भवानी शंकर वर्मा, सुग्रीव के रूप में दिनेश सैनी, जामवंत के रूप में लखन सोनी, भरत के रूप में जोगेंद्र छनपाड़िया ने अभिनय किया।

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल में छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुतियों से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में देवयानी इंटरनेशनल स्कूल में नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न गीतों पर आकर्षक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे परिधानों और शानदार भाव-भंगिमाओं से सजी प्रस्तुतियों ने विद्यालय परिसर को उत्सवमय बना दिया। प्रतियोगिता में 'ओ देश मेरे' गीत पर प्रस्तुत देशभक्ति नृत्य ने राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया, जबकि 'मेड इन इंडिया' पर प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय संस्कृति और गौरव की झलक दिखाई दी। 'मेरी मां मेरा रब' गीत पर भावपूर्ण नृत्य ने दर्शकों को भावविभोर किया। वहीं, 'हरियाणा की छोरी' पर हरियाणवी संस्कृति और 'रंगीला म्हारो ढोलना' पर राजस्थानी लोक-संस्कृति के रंग देखने को मिले। इस अवसर पर पायल, आव्या, आयशा, उचिता, कामना, भूमि, माही, हरमाइनी, नव्या, जानवी, दीक्षित, प्रतीक्षा, अंशु, हनी और आनिया सहित अनेक छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं।



महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को सम्मानित करते हुए।

गैलेक्सी स्कूल में साइंस क्विज में विद्यार्थियों से पूछे सवाल

महेंद्रगढ़। गैलेक्सी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बवानिया में साइंस क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6 से लेकर कक्षा 9 तक के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस क्विज में एसएससी, यूपीएससी, रेलवे और राज्य स्तर की परीक्षा में आए हुए प्रश्नों को शामिल किया गया। प्राचार्य करन सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भगत सिंह सदन प्रथम स्थान पर रहा, जबकि राधाकृष्णन सदन ने दूसरा और सुभाष चंद्र बोस सदन ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्कूल में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं लगातार होती रहती है। चेयरमैन दरियाव सिंह ने बताया कि साइंस क्विज आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों और प्रतिभागियों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना और उनके ज्ञान की जांच करना है इसके साथ तार्किक सोच को बढ़ावा देना है।

यदुवंशी में अंतर विद्यालय सांस्कृतिक गतिविधियों ने बिखेरी छटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में अंतर विद्यालय सांस्कृतिक गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में यदुवंशी विद्यालय की विभिन्न शाखाओं से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं कला-कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत चित्रकला, हिंदी भाषण, एकल नृत्य, समूह नृत्य तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों के माध्यम से कला, साहित्य, ज्ञान एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के विविध रंग बिखेरे। हिंदी भाषण स्पर्धा में विद्यार्थियों ने प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए, वहीं एकल एवं समूह नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और रचनात्मकता देखने को मिली। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता एवं सामान्य ज्ञान का परिचय दिया।



महेंद्रगढ़। सांस्कृतिक प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित करते हुए।



नारनौल। डांडिया उत्सव में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा स्कूल में गरबा उत्सव 2.0 संपन्न

नारनौल। हरियाणा पब्लिक स्कूल में 'गरबा उत्सव 2.0 का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। चेयरमैन सुभाष चंद वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ वाइस चेयरमैन पुष्पा वर्मा ने प्रथम लकी ड्रा निकालकर तथा मैनेजिंग डायरेक्टर एडवोकेट हितेश वर्मा एवं एमडी निधि वर्मा ने डांडिया खेलकर किया। इस अवसर निदेशक पुष्करमल वर्मा, डीन मनोज भारद्वाज, प्राचार्य सुनील कुमार, प्रियांश वर्मा तथा हितांशी वर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पावन दीप प्रज्वलन, मां दुर्गा की आरती एवं दुर्गा चालीसा के संगीतमय पाठ के साथ हुई, जिसके बाद माता दुर्गा, माता मसानी और माता काली के तीन पावन स्वरूपों के भाव-नाट्य मंचन ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रत्येक जनमानस ने इस आयोजन की भव्यता का मुक्तकंठ से गुणगान किया तथा नारनौल क्षेत्र में गरबा संस्कृति को स्थापित करने के लिए चेयरमैन सुभाष चंद वर्मा जी सहृदय आभार प्रकट किया।

विद्या भारती स्कूल निजामपुर ने इंटर स्कूल गेम्स में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजस्थान पब्लिक स्कूल जखराना में हुई इंटर-स्कूल प्रतियोगिता में विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर, आरपीएस (राजस्थान पब्लिक स्कूल) जखराना की टीमों के बीच विभिन्न खेलों में रोमांचक मुकाबले हुए। कुल 18 इवेंट्स में से विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के खिलाड़ियों ने 15 इवेंट्स में जीत हासिल कर ओवरऑल विजेता का खिताब अपने नाम किया। चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्राचार्य अजीत सिंह ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के दृढ़ संकल्प, अनुशासन और समर्पण को दर्शाती है। मैनेजिंग डायरेक्टर एडवोकेट पीयूष यादव, एकेडमिक डायरेक्टर रविंद्र यादव व उप प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा, कोऑर्डिनेटर रितु शर्मा, कोऑर्डिनेटर विजय सोनी, शारीरिक शिक्षक पूनम मेहता, राहुल गुर्जर व महेश ने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तरह मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।



नारनौल। विद्या भारती स्कूल के विजेता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

एसडी स्कूल ककराला में डांडिया उत्सव

कनीना। एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला में छात्राओं के लिए डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने अभूतपूर्व उत्साह, उमंग और जोश के साथ भाग लिया। उत्सव के दौरान छात्राओं ने मनमोहक डांडिया नृत्य की प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, कला और परंपराओं की बेहद सुंदर झलक पेश की। कोर्डिनेटर प्रियंका यादव ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य ध्येय विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और अपनी महान परंपराओं से परिचित कराना है। चेयरमैन जगदेव यादव ने छात्राओं के इस उत्कृष्ट प्रयास और सक्रिय सहभागिता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस मौके पर निदेशक ओमप्रकाश, समिति के वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र यादव, उपनिदेशक पूरण सिंह, प्रधानाचार्य अरविंद कुमार तोमर, कोर्डिनेटर स्नेह यादव आदि उपस्थित थे।



कनीना। डांडिया उत्सव में हिस्सा लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

निःशुल्क मेहंदी सेवा के माध्यम से प्रवासी परिवारों के साथ बांटी त्योहार की खुशियां

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने महिलाओं के हाथों में रचाए मेहंदी के रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

त्योहारों की सार्थकता तभी है, जब उनकी खुशियां समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। इसी भावना को साकार करते हुए प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने दुर्गा महोत्सव के पावन अवसर पर प्रवासी श्रमिक परिवारों के साथ नवरात्रि उत्सव मनाया। ट्रस्टी अजय शर्मा ने बताया कि प्रवासी श्रमिक महिलाओं एवं युवतियों के लिए मेहंदी के रंग मा दुर्गा के संग नाम से निःशुल्क मेहंदी सेवा का आयोजन किया गया। यह पहल धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता, मानवीय संवेदना और सेवा-संस्कृति का सुंदर उदाहरण बनी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्प्रिंग फील्ड स्कूल की प्रबंध निदेशक सुनीता शर्मा उपास्थित रही, जबकि अध्यक्षता निजी विद्यालय संघ के प्रधान भीमसेन शर्मा ने की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि हनी गुप्ता मौजूद रहे। ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ संजय शर्मा ने कहा कि दुर्गा पूजा पंडाल मोती नगर में आयोजित इस कार्यक्रम का मूल भाव था कि उत्सव की रौनक केवल कुछ घरों और परिवारों तक सीमित न रहे, बल्कि उन हाथों तक भी पहुंचे, जो दिन-रात मेहनत करके समाज और अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। मुख्य अतिथि सुनीता शर्मा ने कहा कि अपने घर-परिवार से दूर रहकर आजीविका कमाने वाले प्रवासी श्रमिकों के जीवन में त्योहार के अवसर पर खुशियों के कुछ अतिरिक्त रंग भरने का यह प्रयास विशेष महत्व रखता है।



नारनौल। दुर्गा पूजा पंडाल में महिलाओं को मेहंदी लगाते ट्रस्ट की मेहंदी कलाकार। फोटो : हरिभूमि

मेहंदी के रंगों में घुली भक्ति और अपनत्व की भावना

नवरात्रि के पावन वातावरण में महिलाओं एवं युवतियों ने उत्साहपूर्वक निःशुल्क मेहंदी सेवा का लाभ उठाया। हाथों पर सजती मेहंदी की बेलों और सुंदर आकृतियों के साथ माहौल में भक्ति, उल्लास और आत्मीयता का रंग घुलता दिखाई दिया। यह आयोजन केवल श्रृंगार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने यह संदेश भी दिया कि सेवा का वास्तविक अर्थ किसी जरूरतमंद के जीवन में प्रसन्नता के कुछ पल जोड़ना है। कार्यक्रम में जानवी, कल्पना राजपूत और परी शर्मा ने महिलाओं और युवतियों को निःशुल्क मेहंदी लगाकर सेवा में योगदान दिया। इस पहल का सौजन्य राधिका ब्यूटी पार्लर व रवीना सोनी एवं स्लम एरिया टेलेंट की ओर से रहा। इस मौके पर स्लम एरिया टेलेंट हनी गुप्ता, राजकुमारी शर्मा, मीना शर्मा, अनुपमा, ममता, अंशु, राजकुमारी, मुरारीलाल शर्मा, अजय कुमार, जय भगवन, भीमसेन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

OFFICE OF GOVERNMENT SR. SEC. SCHOOL, PALI, M/GARH HR (3892)
MOB NO.-9729693175,
E-Mail : gssspali2023@gmail.com

नीलामी सूचना

आप सभी सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी पाली में इलेक्ट्रॉनिक आइटम व लोहे का सामान, अलमारी, डेस्क, कुर्सी इत्यादि की नीलामी 21.10.2026 को गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पाली के प्रांगण में की जानी है जो भी इच्छुक हो वह सुबह 9:00 बजे स्कूल में पहुंचने का कष्ट करें।

Sd/- Principal,
Govt. Sr. Sec. School,
Pali (M/Garh) (3892)

नारनौल से दिल्ली तक रेल कनेक्टिविटी मजबूत करने की मांग

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच ने रेलमंत्री के नाम सौंपा पांच सूत्रीय मांगपत्र, बंद जनता जयंती एक्सप्रेस को फिर चलाने की उठाई आवाज

ब्रॉडगेज लाइन शुरू होने के बाद इस ट्रेन का संचालन हुआ बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

क्षेत्र की रेल सुविधाओं के विस्तार और यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच नारनौल-अटेली-निजामपुर एवं राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा की ओर से केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम पांच सूत्रीय मांगपत्र स्टेशन अधीक्षक महावीर प्रसाद को सौंपा गया। संगठनों ने क्षेत्र के यात्रियों, दैनिक रेल यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न रेल सेवाओं को नियमित करने तथा नई ट्रेनें शुरू करने की मांग उठाई। मंच की प्रमुख मांगों में अहमदाबाद-दिल्ली जनता जयंती एक्सप्रेस को ब्रॉडगेज पर दोबारा शुरू करना, ट्रेन संख्या 09617/18 उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट को प्रतिदिन नियमित नंबर के साथ चलाना, ट्रेन संख्या 09203/04 हरिद्वार-वेरावल सुपरफास्ट को स्पेशल के बजाय प्रतिदिन नियमित करना, रींगस-नारनौल के रास्ते माता वैष्णो देवी कटरा के लिए नई दैनिक सुपरफास्ट ट्रेन शुरू करना तथा नारनौल से बिजवासन (दिल्ली) के बीच डेमू पैसेंजर ट्रेन चलाना शामिल है।

नियमित संचालन से यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

मंच के अध्यक्ष अशोक कटारिया ने कहा कि मीटरगेज के समय अहमदाबाद-दिल्ली जनता जयंती एक्सप्रेस गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और सुलभ ट्रेन थी। ब्रॉडगेज लाइन शुरू होने के बाद इस ट्रेन का संचालन बंद हो गया। उन्होंने कहा कि इसे दोबारा शुरू किए जाने से राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली सहित कई क्षेत्रों के यात्रियों को लाभ मिलेगा तथा अहमदाबाद-दिल्ली रेल कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि नारनौल, अटेली और कुंड क्षेत्र से बड़ी संख्या में दैनिक यात्री रोजगार और अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आते-जाते हैं। ऐसे में नारनौल से बिजवासन तक डेमू ट्रेन शुरू होने से हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिल सकता है। इससे दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए आवागमन आसान और किफायती होगा। राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के जिला अध्यक्ष संजय सैनी ने उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय रोहिल्ला ट्रेन संख्या 09617/18 को नियमित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि उदयपुर पर्यटकों के लिए प्रमुख केंद्र है। ट्रेन के नियमित संचालन से यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और चेतक एक्सप्रेस पर भी यात्री दबाव कम हो सकेगा।



नारनौल। स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते रेल यात्री मंच के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस मौके पर सचिव मनीष कोली, डॉ. राजेंद्र सैनी, जीतू कोली, महावीर प्रसाद, जतिन जांगिड़, सतीश सैनी, पवन कुमार, संदीप शर्मा, विष्णु सैनी, वेदप्रकाश, कुसुम यादव, खुबाराम, राकेश कुमार, सुरेश गुप्ता, राजू सोनी सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

स्टेशन परिसर में पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ज्ञापन सौंपने के बाद मंच के सदस्यों ने रेलवे स्टेशन परिसर स्थित पार्क में पौधे लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा पौधों की सुरक्षा के लिए जाली भी लगाई गई। सदस्यों ने बताया कि जाली नहीं होने के कारण आवारा पशुओं से पौधों को नुकसान पहुंचता था। इसलिए पौधों की सुरक्षा के लिए जाली लगाना जरूरी था। सदस्यों ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। साथ ही रेलवे स्टेशन पार्क परिसर को हरा-भरा बनाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

सुरक्षा उपकरण व तकनीकी कर्मियों की फील्ड में तैनाती समेत मांगों को लेकर प्रदर्शन

अधिकारी नहीं मिले, तो कर्मचारियों ने किया कार्यकारी अभियंता कार्यालय घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा (भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध) के नेतृत्व में कर्मचारियों का आंदोलन सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। सिटी उपमंडल कार्यालय में करीब एक घंटे तक प्रदर्शन करने के बाद सैकड़ों कर्मचारियों ने कार्यकारी अभियंता कार्यालय तक पैदल मार्च किया। कर्मचारियों ने निगम प्रबंधन और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लंबित मांगों के समाधान की मांग उठाई। संगठन के अनुसार कार्यकारी अभियंता कार्यालय में अधिकारी के मौजूद नहीं मिलने पर कर्मचारियों ने करीब दो घंटे तक प्रदर्शन किया। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि कर्मचारी पिछले पांच दिनों से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। पहले चार दिन सिटी उपमंडल कार्यालय में प्रदर्शन किया गया। उनका आरोप है कि इस दौरान एसडीओ कर्मचारियों की समस्याएं सुनने के लिए उपलब्ध नहीं हुए। इसके बाद पूर्व सूचना के साथ कर्मचारी कार्यकारी अभियंता कार्यालय पहुंचे, लेकिन यहां भी ज्ञापन लेने और उनकी समस्याएं सुनने के लिए अधिकारी उपलब्ध नहीं मिले। पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की ओर से लगातार अपनी मांगें उठाए जाने के बावजूद समाधान की दिशा में बातचीत नहीं होने से उनमें रोष है। उन्होंने जिला प्रशासन और निगम के उच्चाधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप कर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करवाने की मांग की।



नारनौल। प्रदर्शन करते बिजली निगम कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

लंबित समस्याओं के समाधान की मांग

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने टीएनपी किट और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने, कार्यालयों में कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों को आवश्यकता के अनुसार फील्ड में तैनात करने तथा अन्य लंबित समस्याओं का समाधान करने की मांग उठाई। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि बिजली कर्मचारियों को कार्य के दौरान जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। ऐसे में पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाना और तकनीकी कर्मचारियों की उचित तैनाती सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना चाहिए।

बुधवार को फिर होगा प्रदर्शन

संगठन ने घोषणा की कि मांगों के समाधान को लेकर बुधवार को भी कार्यकारी अभियंता कार्यालय में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक गेट मीटिंग और प्रदर्शन किया जाएगा। संघ ने कर्मचारियों से अधिक संख्या में पहुंचकर एकजुटता प्रदर्शित करने की अपील की है। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन टकराव के बजाय संवाद और लोकतांत्रिक तरीके से समस्याओं का समाधान चाहता है। उन्होंने निगम प्रबंधन से कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लंबित मांगों पर चर्चा करने की अपील की, ताकि आंदोलन को आगे बढ़ाने की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारी निर्बाध विद्युत व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके अधिकारों, सुरक्षा और कार्य परिस्थितियों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। संगठन ने कहा कि मांगों का उचित समाधान होने तक शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रहेगा।

डॉ. रोहित का एचसीएस में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव राता कलां निवासी डॉ. रोहित वर्मा का हरियाणा सिविल सर्विसेज (एचसीएस) परीक्षा उत्तीर्ण कर ईटीओ (एक्साइज एंड टैक्सेशन ऑफिसर) के पद पर चयन होने पर गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें सम्मानित कर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी उपलब्धि से परिवार सहित पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

डॉ. रोहित वर्मा रमेश चंद के पुत्र हैं। रमेश चंद पीजीटी गणित के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. रोहित ने अपनी मेहनत, लग्न और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके प्रशासनिक सेवा में चयनित होने से गांव के युवाओं में उत्साह है। इस समारोह में जिला पार्षद जयंत सिंह, सरपंच प्रतिनिधि नरेंद्र बेदू, पूर्व सरपंच टिल्लू, मुकेश एडवोकेट, प्राचार्य अनूप, अश्विनी कौशिक, राकेश प्रधान, सुभाष चंद्र प्रधान और राजेश प्रजापति सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।


मंडी अटेली। रातां में डॉ. रोहित वर्मा का एचसीएस में चयन होने पर सम्मानित करते।

उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात

ग्रामीणों ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उनकी सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और अपने लक्ष्य को हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। इस मौके पर गांव के महेंद्र सिंह रातां ने कहा कि डॉ. रोहित वर्मा की सफलता से पूरे गांव में गर्व और खुशी का माहौल है।

दूसरे दिन श्रद्धालुओं एवं बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला

पूजन-पाठ व शिक्षा शिविर में गूंजे धार्मिक संस्कारों के स्वर

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

- प्रवक्ता बोलेआज के दौर में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ धार्मिक एवं संस्कारमय शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक

धर्म एवं संस्कारों की शिक्षा को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के उद्देश्य से शहर में आयोजित पूजन-पाठ एवं शिक्षा शिविर में दूसरे दिन श्रद्धालुओं एवं बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। शिविर में भगवान की पूजा-विधि का विधिवत प्रशिक्षण देते हुए प्रतिभागियों को धार्मिक क्रियाओं के साथ उनके आध्यात्मिक महत्व से भी अवगत कराया गया। शिविर महत सागर महाराज, मुनि विभोर सागर महाराज व मुनि सानंद सागर महाराज के सानिध्य में ब्रह्मचारिणी दीदी चेतना व ब्रह्मचारी भैया डॉ. विजय जैन की ओर से किया जा रहा है। प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने कहा कि आज के दौर में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ धार्मिक एवं संस्कारमय शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों में अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना का विकास भी होना चाहिए। इसी उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी अपनी धर्म, संस्कृति और संस्कारों की जड़ों से जुड़ी रहे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रधान अजीत प्रकाश जैन, संदीप जैन, गोपाल जैन, मोक्ष जैन, सोनू जैन, कोमल जैन, मोनिका जैन, महेश जैन, अंकुर जैन, धर्मेंद्र जैन, चिराग जैन, पारस जैन, काकू जैन, पुनीत जैन, गर्व जैन, गर्वित जैन, रोहित जैन आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समय पर वेतन नहीं मिलने से कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

- 22 अक्टूबर को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय अटेली के समक्ष एक दिवसीय धरना देने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन हरियाणा ग्रामीण चौकीदार संगठन हरियाणा और ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा से जुड़े एआईयूटीयूसी के पदाधिकारियों ने 22 अक्टूबर को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय अटेली के समक्ष एक दिवसीय धरना देने का ऐलान किया है। इस दौरान कर्मचारियों को समय पर वेतन देने और वेतन भुगतान से संबंधित कार्यप्रणाली में सुधार की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन के अटेली ब्लॉक प्रधान कपिल यादव, ग्रामीण चौकीदार संगठन के ब्लॉक प्रधान मलखान सिंह और ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के ब्लॉक प्रधान ईश्वर सिंह ने संयुक्त बयान में बताया कि जल कर्मियों, ग्रामीण चौकीदारों और ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को मामूली मानदेय पर काम करना पड़ता है।

ये कर्मचारी बेहद गरीब परिवारों से संबंध रखते हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर वेतन भुगतान नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ब्लॉक कार्यालय अटेली मंडी में वेतन भुगतान से संबंधित कार्यों को कर्मचारी हितैषी और जनहितकारी तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। संबंधित पदों पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में सुधार कर वेतन भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि संगठन इस संबंध में 14 अक्टूबर को जिला उपायुक्त को भी ज्ञापन सौंप चुके हैं। इसके बावजूद मांगों को प्रमुखता से उठाने के लिए 22 अक्टूबर को धरना देकर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

- प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा करने में विफल रहा है

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कस्बे के मुख्य चौक पर उनका पुतला दहन कर रोष जताया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा करने में विफल रहा है, उन्होंने तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान एकत्रित कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका निष्पक्ष और स्वतंत्र होनी चाहिए, लेकिन मौजूदा समय में संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की भारी कमी नजर आ रही है, जिससे आम जनता और विपक्षी दलों का विश्वास डगमगाया है। पूर्व सीपीएस अनिता यादव, जिला अध्यक्ष सतबीर झूकिया, कृष्ण राव सहित नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक संवैधानिक पदों पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं करते या इस्तीफा नहीं देते तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

विनोद कुमार बने प्रधान, नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

सैनी आश्रम पीरआगा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें विनोद कुमार पुत्र राजकुमार ने प्रधान, जिलेसिंह पुत्र दुलीचन्द ने उप प्रधान, बाबूलाल पुत्र ताराचंद ने महासचिव/सचिव, हेतराम पुत्र ओमप्रकाश ने संयुक्त सचिव व कालीचरण पुत्र दुलीचन्द ने कोषाध्यक्ष के रूप में चुनाव अधिकारी मूलचंद सैनी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निहाल सिंह पुत्र कैलाश चन्द, मांगेराम एडवोकेट पुत्र ओमप्रकाश, रामनिवास पुत्र इन्द्रलाल, महेंद्र सिंह पुत्र रामकुंवार को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।


नारनौल। शपथ लेते कार्यकारिणी पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

सैनी आश्रम में नई कार्यकारिणी को मिला कार्यभार

निवर्तमान प्रधान ओमप्रकाश सैनी व उनकी कार्यकारिणी ने नवनियुक्त प्रधान विनोद कुमार को अपना समस्त चार्ज दे दिया। पूर्व प्रधान ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी। नवनियुक्त प्रधान विनोद कुमार और उनकी कार्यकारिणी ने पूर्व प्रधान ओमप्रकाश, महासचिव कर्णसिंह सैनी, कोषाध्यक्ष विनोद सैनी व गजानंद को स्मृति चिह्न प्रदान किए। समारोह में सबसे पहले सैनी सभा के पूर्व प्रधान मदनलाल सैनी ठेकेदार के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके उप चुनाव अधिकारी नेतराम सैनी, पर्यवेक्षक सुरेश कुमार सैनी व राधेश्याम उपस्थित थे।

500-500 किसानों को रियायती दर पर उपलब्ध कराया जाएगा उर्वरक

आर्यावर्त सेवा न्यास की बड़ी पहल: नारनौल व चरखी दादरी के किसानों को 1350 रुपये प्रति कट्टे में मिलेगा विशेष फास्फेट

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल


विनीत पिलानिया।

- खेती की लागत घटाने और मिट्टी की सेहत सुधारने पर जोर

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और कृषि भूमि के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से आर्यावर्त सेवा न्यास ने किसानों के लिए विशेष पहल शुरू की है। न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया ने घोषणा की है कि नारनौल और चरखी दादरी क्षेत्र के कम से कम 500-500 किसानों को रियायती दर पर विशेष फास्फेट उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को यह उर्वरक 1350 रुपये प्रति कट्टे की दर से दिया जाएगा। न्यास के अनुसार इस विशेष फास्फेट उर्वरक का निर्माण मुख्य साइंटिफिक सलाहकार सुदल कुमार के तकनीकी मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इसमें फास्फेट के साथ नाइट्रोजन, जिंक, सल्फर, कॉपर और अन्य चिलेटेड सूक्ष्म पोषक तत्वों का कंपोजिट मिश्रण शामिल किया गया है। न्यास का दावा है कि इन पोषक तत्वों के संयुक्त उपयोग से फसलों को संतुलित पोषण मिलने में मदद मिलेगी और पौधों के समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह उत्पाद केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं रहेगा। ज्वार, बाजरा, सरसों और गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के अलावा फल उत्पादन करने वाले किसान तथा टमाटर, प्याज और मिर्च जैसी सब्जियों की खेती करने वाले किसान भी इसका लाभ ले सकेंगे। न्यास का उद्देश्य किसानों को कम लागत में गुणवत्तापूर्ण पोषक तत्व उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाना है। न्यास की ओर से बताया गया कि 1350 रुपये प्रति कट्टे की रियायती दर से उर्वरक उपलब्ध कराने की योजना से किसानों के कृषि खर्च को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में प्रोत्साहित करने और मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया जाएगा।

किसानों को जागरूक करने पर भी जोर

विनीत पिलानिया ने बताया कि न्यास का उद्देश्य केवल रियायती दर पर खाद उपलब्ध कराना नहीं है। किसानों को जैविक खेती के आधुनिक तरीकों, संतुलित पोषण और मिट्टी के स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए किसानों को खेती में पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की जानकारी देने की योजना है। इस योजना का लाभ लेने के इच्छुक नारनौल और चरखी दादरी क्षेत्र के किसान आर्यावर्त सेवा न्यास के संपर्क केंद्रों पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। न्यास की ओर से किसानों से योजना का लाभ लेने के लिए समय पर पंजीकरण कराने की अपील की गई है।

शिकायतें लंबित न रखे प्राथमिकता से करें निपटारा : एसडीएम

महेंद्रगढ़। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करें और किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें। यह निर्देश एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को महेंद्रगढ़ के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान अधिकारियों को दिए। शिविर में उन्होंने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार और उपायुक्त अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में एसडीएम ने अधिकारियों को कहा कि शिकायतों का निपटारा तत्परता से करते हुए समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर रिपोर्ट भी अपडेट करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295154800, 8295738500, 9253681005